पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

भातखण्डे संगीत संस्थान सम-विश्वविद्यालय का दीक्षान्त समारोह सम्पन्न

जीवन में आगे बहुत स्पर्धा है - राज्यपाल

लखनऊ: 20 नवम्बर, 2014

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज भातखण्डे संगीत संस्थान सम-विश्वविद्यालय के चैथे दीक्षान्त समारोह में सफल छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का एक अध्याय पूरा कर चुके छात्र-छात्राओं को दीक्षान्त समारोह के बाद अब एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर आ चुके हैं। जीवन में आगे बहुत स्पर्धा है। उन्होंने कहा कि कड़ी मेहनत के बल पर वे आगे बढ़ सकते हैं।

राज्यपाल ने दीक्षान्त समारोह में प्रथम स्थान पाने वाले छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक व उपाधि देकर सम्मानित किया। कुलपति, सुश्री श्रुति सुडोलीकर काटकर ने रजत एवं कांस्य पदक वितरित किये। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पद्मभूषण डाॅ0 प्रभा अत्रे उपस्थित थी।

श्री नाईक के कहा कि संगीत और कला में रियाज़ करना महत्वपूर्ण है। संगीत प्रस्तुति में सहयोग और टीम भावना का बहुत महत्व होता है। दीक्षान्त समारोह के समय छात्रों ने जो प्रतिज्ञा ली है उसका अक्षरशः पालन करें तथा भविष्य में विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा के तौर पर जो सीखा और पाया है उसे आगे बढ़ाने का प्रयास करें।

राज्यपाल ने कहा कि संगीत विश्वविद्यालय का दीक्षान्त समारोह अन्य समारोह से अलग है। अब तक देश में यह अकेला संगीत विश्वविद्यालय है। व्यक्तित्व विकास के चार मंत्र बताते हुए उन्होंने कहा कि सफल भविष्य के लिये सदैव प्रसन्नचित रह कर मुस्कराते रहे। दूसरे के अच्छे गुण की प्रशंसा करें तथा अच्छे गुणों को आत्मसात करने की कोशिश करें। दूसरों को छोटा न दिखाये और हर काम को और बेहतर ढंग से करने का प्रयास करें। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा भातखण्डे का यह दीक्षान्त समारोह समय पर आयोजित किया गया है।

मुख्य अतिथि डाॅ0 प्रभा अत्रे ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि संगीत केवल प्रस्तुति कला ही नहीं बल्कि एक शास्त्र भी है। दोनों का एक दूसरे से जुड़े रहना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अपने-अपने क्षेत्र में कला का विधिवत प्रशिक्षण भी होना चाहिये। उन्होंने आधुनिक समय के दबाव को देखते हुए विद्यालय के पाठ्यक्रम में नए विषयों के समावेश की भी बात कही।

दीक्षान्त समारोह में एम0पी0ए0 एव बी0पी0ए0 के लिए कुल 24 पदक वितरित किये गये जिसमें 11 स्वर्ण, 7 रजत पदक व 6 कांस्य पदक दिये गये तथा दो पीएच0डी0 की उपाधि भी प्रदान की गई।